



Dr. Sumitra Sharma

14 Apr 1950

07:44 AM

Rohru

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121941702

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 14/04/1950 : _____ जन्म तिथि _____ : 14/04/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 07:44:00 : _____ जन्म समय _____ : 13:23:07 घंटे
 घटी 04:36:31 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 18:46:41 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Rohru : _____ स्थान _____ : Rohru
 उत्तर 31:12:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:12:00 उत्तर
 पूर्व 77:45:00 : _____ रेखांश _____ : 77:45:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:53:23 : _____ सूर्योदय _____ : 05:52:26
 18:46:04 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:46:37
 23:09:43 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:37
 वृष : _____ लग्न _____ : कर्क
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : चन्द्र
 कुम्भ : _____ राशि _____ : तुला
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 पूंभाद्रपद : _____ नक्षत्र _____ : स्वाति
 गुरु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 2 : _____ चरण _____ : 3
 ब्रह्म : _____ योग _____ : वज्र
 गर : _____ करण _____ : तैतिल
 सो-सोमनाथ : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रो-रोहिणी
 मेष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मेष
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 सिंह : _____ योनि _____ : महिष
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 आद्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 मेष : _____ वर्ग _____ : मृग
 76 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 77

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
कृत्तिका	3	04:32:18	वृष			लग्न			कर्क	22:04:39	2	आश्लेषा
अश्विनी	1	00:24:34	मेष			सूर्य			मेष	00:24:34	1	अश्विनी
पू०भाद्रपद	2	24:35:37	कुंभ			चंद्र			तुला	14:39:14	3	स्वाति
उ०फाल्गुनी	2	01:19:56	कन्या	व		मंगल			कर्क	04:13:58	1	पुष्य
भरणी	2	17:09:48	मेष			बुध			मीन	04:35:42	1	उ०भाद्रपद
धनिष्ठा	4	06:36:04	कुंभ			गुरु			वृष	23:59:37	1	मृगशिरा
शतभिषा	3	14:05:22	कुंभ			शुक्र			मीन	00:26:50	4	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	3	20:14:33	सिंह	व		शनि			मीन	01:50:22	4	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	4	14:18:10	मीन			राहु	व		मीन	03:02:33	4	पू०भाद्रपद
हस्त	2	14:18:10	कन्या			केतु	व		कन्या	03:02:33	2	उ०फाल्गुनी
आर्द्रा	1	08:19:16	मिथु			मु			कन्या	04:32:18	3	उ०फाल्गुनी

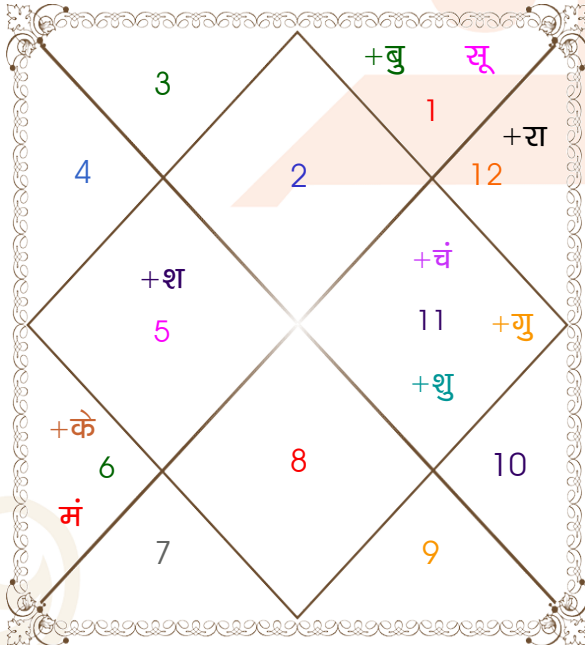
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

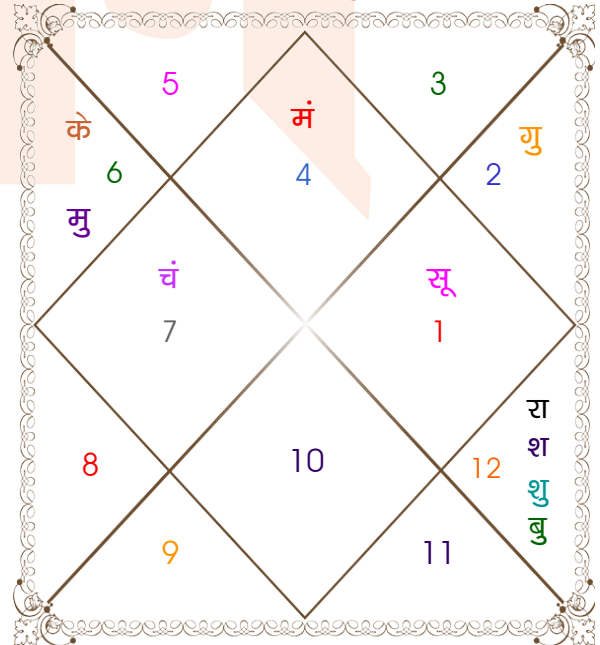
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:37

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - गुरु - शुक्र 20/03/2026 03:47 07/05/2026 20:35	सूर्य - गुरु - सूर्य 07/05/2026 20:35 22/05/2026 11:13	सूर्य - गुरु - चंद्र 22/05/2026 11:13 15/06/2026 19:37	सूर्य - गुरु - मंगल 15/06/2026 19:37 02/07/2026 20:42
शुक्र 28/03/2026 06:35 सूर्य 30/03/2026 17:01 चंद्र 03/04/2026 18:25 मंगल 06/04/2026 14:36 राहु 13/04/2026 21:55 गुरु 20/04/2026 09:45 शनि 28/04/2026 02:49 बुध 05/05/2026 00:24 केतु 07/05/2026 20:35	सूर्य 08/05/2026 14:07 चंद्र 09/05/2026 19:20 मंगल 10/05/2026 15:47 राहु 12/05/2026 20:23 गुरु 14/05/2026 19:08 शनि 17/05/2026 02:39 बुध 19/05/2026 04:19 केतु 20/05/2026 00:47 शुक्र 22/05/2026 11:13	चंद्र 24/05/2026 11:55 मंगल 25/05/2026 22:00 राहु 29/05/2026 13:40 गुरु 01/06/2026 19:35 शनि 05/06/2026 16:07 बुध 09/06/2026 02:54 केतु 10/06/2026 13:00 शुक्र 14/06/2026 14:24 सूर्य 15/06/2026 19:37	मंगल 16/06/2026 19:29 राहु 19/06/2026 08:50 गुरु 21/06/2026 15:23 शनि 24/06/2026 08:09 बुध 26/06/2026 18:07 केतु 27/06/2026 17:58 शुक्र 30/06/2026 14:09 सूर्य 01/07/2026 10:36 चंद्र 02/07/2026 20:42
सूर्य - गुरु - राहु 02/07/2026 20:42 15/08/2026 16:37	सूर्य - शनि - शनि 15/08/2026 16:37 09/10/2026 15:10	सूर्य - शनि - बुध 09/10/2026 15:10 27/11/2026 18:56	सूर्य - शनि - केतु 27/11/2026 18:56 18/12/2026 00:43
राहु 09/07/2026 10:29 गुरु 15/07/2026 06:44 शनि 22/07/2026 05:18 बुध 28/07/2026 10:19 केतु 30/07/2026 23:41 शुक्र 07/08/2026 07:00 सूर्य 09/08/2026 11:36 चंद्र 13/08/2026 03:15 मंगल 15/08/2026 16:37	शनि 24/08/2026 09:23 बुध 01/09/2026 04:11 केतु 04/09/2026 09:06 शुक्र 13/09/2026 12:51 सूर्य 16/09/2026 06:47 चंद्र 20/09/2026 20:40 मंगल 24/09/2026 01:35 राहु 02/10/2026 07:22 गुरु 09/10/2026 15:10	बुध 16/10/2026 14:18 केतु 19/10/2026 11:07 शुक्र 27/10/2026 15:45 सूर्य 30/10/2026 02:44 चंद्र 03/11/2026 05:03 मंगल 06/11/2026 01:52 राहु 13/11/2026 10:50 गुरु 20/11/2026 00:08 शनि 27/11/2026 18:56	केतु 28/11/2026 23:16 शुक्र 02/12/2026 08:14 सूर्य 03/12/2026 08:31 चंद्र 05/12/2026 01:00 मंगल 06/12/2026 05:20 राहु 09/12/2026 06:12 गुरु 11/12/2026 22:58 शनि 15/12/2026 03:53 बुध 18/12/2026 00:43
सूर्य - शनि - शुक्र 18/12/2026 00:43 13/02/2027 20:40	सूर्य - शनि - सूर्य 13/02/2027 20:40 03/03/2027 05:03	सूर्य - शनि - चंद्र 03/03/2027 05:03 01/04/2027 03:01	सूर्य - शनि - मंगल 01/04/2027 03:01 21/04/2027 08:48
शुक्र 27/12/2026 16:02 सूर्य 30/12/2026 13:26 चंद्र 04/01/2027 09:06 मंगल 07/01/2027 18:03 राहु 16/01/2027 10:15 गुरु 24/01/2027 03:19 शनि 02/02/2027 07:04 बुध 10/02/2027 11:42 केतु 13/02/2027 20:40	सूर्य 14/02/2027 17:29 चंद्र 16/02/2027 04:11 मंगल 17/02/2027 04:28 राहु 19/02/2027 18:55 गुरु 22/02/2027 02:27 शनि 24/02/2027 20:22 बुध 27/02/2027 07:21 केतु 28/02/2027 07:39 शुक्र 03/03/2027 05:03	चंद्र 05/03/2027 14:53 मंगल 07/03/2027 07:21 राहु 11/03/2027 15:27 गुरु 15/03/2027 11:59 शनि 20/03/2027 01:52 बुध 24/03/2027 04:11 केतु 25/03/2027 20:39 शुक्र 30/03/2027 16:19 सूर्य 01/04/2027 03:01	मंगल 02/04/2027 07:21 राहु 05/04/2027 08:13 गुरु 08/04/2027 01:00 शनि 11/04/2027 05:55 बुध 14/04/2027 02:44 केतु 15/04/2027 07:04 शुक्र 18/04/2027 16:02 सूर्य 19/04/2027 16:19 चंद्र 21/04/2027 08:48

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभूश्य ॥

*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबंधी कार्यों में भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी। इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबंधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रुचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।